आईएएस तथा जावित्री हास्पिटल एण्ड टेस्ट ट्युब बेबी सेंटर की महिला रोग तथा इंफरटिलिटी स्पेषलिस्ट डॉ. राजुल त्यागी दो महिला हस्तियां थी जिन्होने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर महिला सशक्तिकरण तथा व्यक्तिगत स्वच्छता पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया । संवादात्मक सत्र जो कि महिला सषक्तिकरण पर केन्द्रित था, उसमें उन तमाम अवसरों पर चर्चा की गई जो भारत में महिलाओं के लिए उपलब्ध हैं तथा खासकर उन्होने इस विषय पर चर्चा की कि किस तरह से सशक्त महिलाएं समाज में बदलाव ला सकती हैं। इस सत्र,जिसमें प्रश्नोत्तर दौर भी शामिल था, उसका सारे उपस्थितजनों ने भरपूर प्रषंसा की । इस अवसर पर एयरसेल के क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद सिंह शेखावत ने कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा, आभार , संवेदना तथा प्रेम प्रकट करने के स्वरूप अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हुए एयरसेल अत्यधिक प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है। महिलाएं हमारे समाज का अटूट अंग हैं और प्रत्येक क्षेत्र में वह अपनी पहचान बना रही हैं ,यह महत्वपूर्ण है कि हमारे जीवन मे वह जो भूमिका निभाती है हम उसका सम्मान कर उसकी सराहना करें। यूपी इस्ट के हेड सेल्स एण्ड मार्केटिंग आशीष दत्त ने कहा कि इस खास मौके पर हम अपने चैनल पार्टनर्स की पत्नियों को उनके द्वारा अपने पतियों को बिना षर्त सहयोग और समर्थन प्रदान करने के लिए धन्यवाद देना चाहेंगे साथ ही अपनी महिला कर्मचारियों के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहेंगे जो पूर्वी उत्तर प्रदेष में एयरसेल को एक सफल ब्रांड के रूप में स्थापित करने के लिए कठोर परिश्रम कर रही हैं। .

मध्य प्रदेश में ट्रक कटिंग का बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के देवास के आसपास राजमार्गों पर चोरों का आतंक बढ़ने की वजह से टीसीआई के छह ट्रकों सहित माल ढुलाई करने वाले ट्रकों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इंदौर-देवास, इंदौर-उज्जैन और खरगौन राजमार्ग पर चोरी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी होने की वजह से ट्रांसपोर्टरों की चिंताएं भी काफी बढ़ गई हैं। सड़क पर चलते वक्त ट्रकों पर होने वाले हमलों की श्रृंखला के तहत ताजा घटना पिछली 6 फरवरी, 2015 को घटी जब कोयंबटूर से रेवाड़ी जा रहे ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेषन ऑफ इंडिया के एक ट्रक से करीब पांच लाख रुपये का सामान लूट लिया गया। यह घटना धर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास पर घटी, यह क्षेत्र भी बाकी घटनाओं की जगह के आसपास ही है। हालांकि इस मामले को लेकर शहडलपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई लेकिन ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि इस इलाके में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को सुधारने के लिए कुछ खास नहीं किया गया। बडे.पैमाने पर माल ढुलाई करने वालों के साथ राजमार्ग पर होने वाली लूट के मामलों में सिर्फ इजाफा ही हुआ है जिसकी वजह से प्रभावित पक्षों को लाखों का नुकसान हो रहा है। इस फरवरी में एमपी एचआर 47 सी 0191 नंबर प्लेट वाले टीसीआई वाहन से हुई लूट से पहले फरवरी 2014 और इस साल के बीच पांच अन्य टीसीआई ट्रकों से लूट हुई। 2 फरवरी, 2014 को इंदौर से सागर जा रहे एक ट्रक से थाना जिले में मंडी रोड पर 15 लाख का सामान लूट लिया गया। मई में देवास जिले के भेरवाखेरी पुल के समीप एक वाहन से एक लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी हो गया। बाद में अक्टूबर में चार अनजान मोटरसाइकिल सवार लोगों ने देवास की ओर जा रहे एक टीसीआई ट्रक को रोककर 20 किलोग्राम के कपड़े के दो पैकेट लूट लिए जिसकी कीमत हजारों में थी। नवंबर में दो घटनाएं घटीं- पहली घटना शाहजापुर में रेलवे क्रॉसिंग पर और दूसरी देवास के गांव चपरा में। कई अन्य ट्रांसपोर्टरों को भी काफी नुकसान झेलना पड़ा, जिनके मामलों को स्थानीय मीडिया ने काफी प्रमुखता दी। ओम लॉजिस्टिक्स के तीन ट्रकों के साथ हुई घटनाओं में तीन लाख रुपये से लेकर 41 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ। नवंबर में 10 दिनों के भीतर अलग-अलग कंपनियों ने ऐसे एक दर्जन से अधिक मामलों की खबर दी।

'TRUCK CUTTING' MENACE TORMENTS TRANSPORTERS IN MP

Freight carriers, including six of TCI's trucks, incur losses running into lakhs of rupees as burglars wreck havoc on highways around Dewas, in MP. With the incidence of theft cases on the Indore-Dewas, Indore-Ujjain and Khargon highway on the rise, transporters are worried a lot. The latest in a series of daring raids on trucks in transit took place on February 6, 2015 when a Transport Corporation of India (TCI) carrier, plying from Coimbatore to Rewari, was looted of goods worth rupees five lakh. This happened on NH4 bypass in district Dhar, not far from the region of the other raids. Though the FIR has been lodged at the Shadalpur station, transporters say little is being done to rectify the law and order situation in this area. Highway robberies on large freight carriers have only increased, causing affected parties losses running into lakhs. Before the TCI vehicle, with the number plate MP HR 47C0191, was broken into this February, five other TCI freight trucks were burgled between February 2014 and this year. On February 2, 2014, a truck going from Indore to Sagar lost goods worth Rs 15 lakhs at Mandi Road in district Thana. In May another vehicle was waylaid near Bherwakheri Bridge, in Dewas district, and goods worth over rupees one lakh were stolen. Later, in October, four unidentified men astride a motorcycle stopped a TCI truck that was heading towards Dewas, and fled with two 20-kilo packages of cloth worth tens of thousands. In November there were two incidents - one at a railway crossing in Shajapur and the other in Dewas's village Chapra. Several other transports have been affected, and their cases have been highlighted by local media. The former incurred losses ranging between rupees three lakh and Rs 41 lakh, in separate incidents involving three of their trucks. Within 10 days during November, over a dozen such incidents were reported by different freight companies. Though the Transporter's Association took up the matter with the DIG, at the time, there's evident lack of action on-ground given the regularity with which truck robberieshave continued on highways around Indore. Transporters have identified NH 3 as a dangerous route with the maximum number of "truck cutting" cases being reported on this stretch. The area between Dewas, Tonkala, Maksi and Biora on the Agra Mumbai highway is particularly notorious. Many companies have stopped plying carriers on this route after sun-down and it is believed the groups involved have therefore shifted their focus on the MP-Gujrat and MP-Maharashtra highways. Transporters' services are the lifeline of the country and their safety on our highways should be a priority. Clearly, on the routes in question, this isn't the case.